[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 2069 **F**

Unique Paper Code : 2055201003

Name of the Paper : Hindi Bhasha Aur Sahitya (C)

Type of the Paper : GE

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Hindi**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (3×8=24)

(क) माया दीपक नर पतंग, भ्रमि भ्रमि इवैं पडंत ।

कहै कबीर गुर ग्यान थैं, एक आध उबरंत ।।

सतगुर बपुरा क्या करै, जो सिपाही महै चूक ।

भावै त्यूं प्रमोधि ले, ज्यूं बंसि बजाई फूक ।।

अथवा

उधो, मन न भए दस बीस

एक हुतौ सो गयौ स्याम संग, को आराधै ईस ।।

इंद्री सिथिल भई केसव बिनु, ज्यौं देही बिनु सीस ।

आसा लागि रहति तन स्वासां जीवहिं कोटि बरीस ।।

तुम तो सखा स्याम सुन्दर के, सकल जोग के ईस ।

सूर हमारै नंद–नँदन बिनु, और नहीं जगदीस।।

(ख) कनक कनक ते सौ गुनी मादकता अधिकाय ।

वा खाये बौराये नर, वा पाए बौराये ।

मेरी भवबाधा हरौ, राधा नागरि सोइ ।

जा तन की झाँई परैं स्यामु हरित - दुति होइ । ।

अथवा

अति सूधो सनेह को मारग है जहां नेकु सयानप बांक नहीं ।

तहां सांचे चलैं तजि आपनपौ झझकैं कपटी जै निसांक नहीं ।

घनआनंद प्यारे सुजान सुनौ इत एक तें दूसरो आंक नहीं ।

तुम कौन धौं पाटी पढ़े हो लला मन लेहु पै देहु छटांक नहीं।।

(ग) रत्न प्रवासिनी है वसुधा, अब समझ सका हूं!
इसमें सच्ची समता के दाने बोने हैं,
इसमें जन की क्षमता के दाने बोने हैं,
इसमें मानव ममता के दाने बोने हैं,
जिससे उगल सके फिर धूल सुनहली फसलें
मानवता की - जीवन श्रम से हँसे दिशाएँ !
हम जैसा बोयेंगे वैसा ही पायेंगे !

अथवा

लीक पर वे चलें जिनके
चरण दुर्बल और हारे हैं,
हमें तो हमारी यात्रा से बने
ऐसे अनिर्मित पन्थ प्यारे हैं ।
साक्षी हों राह रोके खड़े
पीले बांस के झुरमुट,
कि उनमें गा रहा है जो हवा
उसी से लिपटे हुए सपने हमारे हैं ।

2. हिन्दी भाषा के उद्भव और विकास को रेखांकित लीजिए। (12)

अथवा

आदिकालीन कविता की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

3. कबीर की सामाजिक दृष्टि को स्पष्ट कीजिए । (12)

अथवा

सूरदास की भक्ति का सामाजिक संदर्भ स्पष्ट कीजिए ।

4. बिहारी के काव्य का कलापक्ष स्पष्ट कीजिए । (12)

अथवा

घनान्द 'प्रेम के पीर' के कवि हैं, स्पष्ट कीजिए ।

5. आह! धारती कितना देती है ? कविता का प्रतिपाद्य लिखिए। (12)

अथवा

सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की कविता 'लीक पर वे चलें' की मूल चेतना को स्पष्ट कीजिए।

6. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए । (3×6=18)

(क) हिन्दी का भौगोलिक विस्तार

(ख) राम भक्ति धारा

(ग) रीति काव्य को विशेषताएं

(घ) छायावाद

(2000)